

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर रायिव,
उत्तरांचल शारान।

सेवा में,

प्रबन्ध निर्देशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुगाम-2

देहरादून: दिनांक: 28 फरवरी, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में राज्य सौकर की गामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ की गंगोलीहाट ग्राम समूह पश्चिम पेयजल योजना की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1947/अपेजल-पिथौरागढ़/दिनांक 28.12.2005 के सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पिथौरागढ़ की गंगोलीहाट ग्राम समूह पश्चिम पेयजल योजना के रु० 1316.73 लाख के प्रायकलन पर टी०ए०सी० के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण माई गई घनराशि रु० 1279.45 लाख (रु० बारह करोड़ उन्नासी लाख पैंतालीस हजार मात्र) की लागत के आमणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल सार्थ स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त योजना पर ऋ की स्वीकृति वन विभाग से भूमि के हस्तान्तरण के उपरान्त ही की जाएगी।

2- आमणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हों की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आमणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

4- कार्य पर उत्तना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है। स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- एक मुस्त प्राधिकार को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आमणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।

7- कार्य करने से पूर्व स्थल की मली गोंति निरीक्षण उन्माहिनारियों एवं भूमिगतता के साथ अवश्य करा ले। स्थल निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद की धनराशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

9- निर्माण सामग्री का प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

10-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

11- योजना के निर्माण स्थल में वन विभाग की भूमि जाने की दशा में वन विभाग की भूमि हस्तान्तरण के पश्चात् ही योजना पर कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

12- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सा0-164/XXVII(2)/2006 दिनांक 30 जनवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहे है।

भवदीय,

(कुंवर सिंह)

अपर सचिव

पू0सां0/662/उन्तीस(2)-2(218पे0)/2000,तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. मण्डलायुक्त कुर्गोयू मण्डल।
3. जिलाधिकारी, ~~देहरादून~~ पिबौराद।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सेल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तरांचल।
8. स्टाफऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पाथरी)

अन सचिव